

- ٩٣ -

لماذا أنت تنساني      وقبل كنت تهواني

تقطيعه:

لماذا أن / ت تنساني      وقبلن كن / ت تهواني

٥/٥/٥//      ٥/٥/٥//      ٥/٥/٥//      ٥/٥/٥//

مفاعيلن      مفاعيلن      مفاعيلن      مفاعيلن

اسم البحر: الهزج

قافيته: واني

٥/٥/

الروي: النون